वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 326 शुक्रवार 1 मई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पाली में कन्या महाविद्यालय भवन का लोकार्पण समारोह

हमारे कार्यकाल में सवा लाख युवाओं को मिली सरकारी नौकरी, एक भी पेपर लीक नही : मुख्यमंत्री

बालिका शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान तेजी से अग्रसर, शैक्षणिक संस्थानों के विकास, विस्तार और उन्नयन से सुनिश्चित हो रही सुलभ शिक्षा, स्थानीय क्षेत्र की जल आवश्यकता की पूर्ति के लिए डीपीआर बनवाने की घोषणा

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बालिका शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार की दूरगामी नीतियों एवं निर्णयों के माध्यम से उच्च शिक्षा तक के स्तर पर आधारभूत संरचनाओं का विकास और विस्तार सुनिश्चित करते हुए बेटियों को सुलभ शिक्षा के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री गुरुवार को पाली के रोहट में राजेश्वर भगवान आंजणी माता कन्या गुरुकुल संस्थान द्वारा नवनिर्मित कन्या महाविद्यालय के लोकार्पण कार्यक्रम तथा कन्या गुरुकुल के 10वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र का विकास तभी संभव है जब युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। इस दृष्टि से यह कन्या महाविद्यालय बेटियों को शिक्षा देने में अहम भूमिका निभाएगा। इस दौरान शर्मा ने स्थानीय क्षेत्र की जल आवश्यकता की पूर्ति के लिए डीपीआर बनवाने की घोषणा भी की। गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री देश में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को प्रतिनिधित्व अधिकार देने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी राजस्थान में आमजन के विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि साध्वी भगवती बाईजी बालिका शिक्षा के क्षेत्र में नेक कार्य कर रही हैं। इनके संरक्षण में कन्या महाविद्यालय प्रारंभ होने से स्थानीय क्षेत्र की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। समारोह में राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि महिला शक्ति को बढ़ाने में राजेश्वर भगवान आंजणी माता कन्या गुरूकुल संस्थान का अहम योगदान रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निम्बाराम ने कहा कि गुरूकुल प्राचीन मूल्यों एवं जीवन संस्कारों की शिक्षा के प्रतीक रहे हैं। इस दिशा में यह संस्थान भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित कन्या महाविद्यालय के भवन का लोकार्पण किया और आंजणी माता मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना की। साथ ही, उन्होंने गुरुकुल की बालिकाओं से बालिका शिक्षा एवं महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में लिए गए निर्णयों एवं योजनाओं पर संवाद किया। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, पंचायती राज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, सांसद पी.पी. चौधरी, लुम्बाराम चौधरी, विधायक हमीर सिंह भायल, जीवाराम चौधरी, अरुण चौधरी, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित पीठाधीश्वर साध्वी भगवती बाईजी, दयाराम जी महाराज, पदमाराम जी महाराज, सुमन सुलभ जी महाराज एवं बड़ी संख्या में गुरुकुल छात्राएं और आमजन उपस्थित रहे।

24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 24 जिलों में किसानों को दिन के समय में बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। जो वर्ष 2027 तक पूर प्रदेश में उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को निजी क्षेत्र में 6 लाख एवं सरकारी क्षेत्र में 4 लाख रोजगार के लक्ष्य पर कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। लगभग 1 लाख 25 हजार सरकारी पदों पर नियुक्ति दी जा चुकी है और 1 लाख 33 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया में है। वहीं, सवा लाख पदों का भर्ती कैलेंडर भी जारी किया गया है। निजी क्षेत्र में 3 लाख रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार में पेपरलीक से युवाओं के सपने टूटे, लेकिन हमारी सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने एवं उनके सम्मान के लिए प्रभावी नीतियों एवं योजनाओं की रूपरेखा बनाई। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान प्रारम्भ किया जिससे बालिका लिंगानुपात बढ़ा। वहीं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस कनेक्शन और स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालयों का निर्माण करवाकर महिलाओं की गरिमा सुनिश्चित की। जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर-नल से जल भी दिया।

विकास के रौडमेप में पानी-बिजली प्राथमिकता

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप राज्य सरकार ने युवा, महिला, किसान एवं मजदूर के उत्थान को केन्द्र में रखकर प्रदेश के विकास का रौडमेप बनाया है। इस रौडमेप में बिजली-पानी सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। राम जल सेतु लिंक परियोजना, देवास परियोजना, यमुना जल समझौता, सोम-कमला-अम्बा आदि को तेजी से क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने पाली क्षेत्र की योजनाओं एवं विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित कर रही है।

मेधावी छात्राओं को 43 हजार से अधिक स्कूटियों का वितरण

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने लगभग ढाई वर्ष के कार्यकाल में 71 नए राजकीय महाविद्यालय खोलने के साथ ही, 185 नए राजकीय महाविद्यालयों के भवनों का लोकार्पण किया है। जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने पूरे 5 साल में केवल 57 महाविद्यालयों के भवन ही बनवाए थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में भवनों के निर्माण, उन्नयन एवं जीर्णोद्धार के लिए 125 करोड़ रुपये स्वीकृत, पीजी स्तर के 50 और यूजी स्तर के 73 महाविद्यालयों में नए विषय प्रारम्भ, प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत 330 करोड़ रुपए का अनुदान स्वीकृत करने के साथ ही, मेधावी छात्राओं को 43 हजार से अधिक स्कूटियों का वितरण किया है।

डिजिटल दुनिया में वर्किंग ऑफ वर्ड्स का परचम

कारोबार से लेकर चुनावी रणनीति तक मजबूत पकड़

डिजिटल क्रिएटिव इंडस्ट्री में तेजी से उभरते हुए नाम “Working of Words” के संस्थापक मानव जैन ने अपनी अनूठी सोच और इनोवेटिव अप्रोच से कंटेंट और डिजिटल सर्विस सेक्टर में एक अलग पहचान बनाई है।“Working of Words” एक मल्टी-सर्विस क्रिएटिव एजेंसी है, जो कंटेंट राइटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, सोशल मीडिया मैनेजमेंट और डिजिटल कंसल्टेंसी जैसी सेवाओं के माध्यम से व्यवसायों को डिजिटल रूप से मजबूत बनाने में मदद कर रही है।संस्थापक मानव जैन का मानना है कि “आज के डिजिटल युग में सही शब्द ही ब्रांड की असली ताकत होते हैं।”उनकी इसी सोच ने “Working of Words” को एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाया है, जहाँ क्रिएटिविटी और स्ट्रेटेजी का परफेक्ट कॉम्बिनेशन देखने को मिलता है।मानव जैन ने कम समय में कई स्टार्टअप्स, लोकल ब्रांड्स और बिजनेस को डिजिटल ग्रोथ दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी लीडरशिप में टीम ने ना केवल क्रिएटिव कैंपेन तैयार किए हैं बल्कि क्लाइंट्स को रिजल्ट-ओरिएंटेड सॉल्यूशंस भी प्रदान किए हैं।आज “Working of Words” तेजी से आगे बढ़ते हुए डिजिटल मार्केट में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवा रहा है और भविष्य में इसे एक लीडिंग क्रिएटिव ब्रांड बनाने का लक्ष्य रखता है।

शिवाड़ में भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा स्थापना सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति, मालवीय नगर संभाग के अध्यक्ष अजीत-शकुन बड़जात्या ने जानकारी देते हुए बताया कि मालवीय नगर संभाग के संयुक्त सचिव एवं पुण्यार्जक विनोद कुमार-मधु जैन परिवार, सिद्धार्थ नगर के सान्निध्य में दिनांक 26-04-2026 को श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर, शिवाड़ में भव्य धार्मिक आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातःकाल अभिषेक, शांतिधारा एवं श्री शांतिनाथ मंडल विधान पूजा के पश्चात जिनबिम्ब भगवान पार्श्वनाथ की विधिवत स्थापना की गई। मंत्री विजय-पुष्पा कासलीवाल के अनुसार इस भव्य एवं भक्तिमय आयोजन में समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों, धर्मप्रेमी बंधुओं एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष रूप से नरेन्द्र जी-विमला जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और अधिक बढ़ाया। संयुक्त सचिव विनोद कुमार जैन ने सभी पधारे धर्मावलंबियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए सभी को वात्सल्य भोज हेतु आमंत्रित किया।

भगवान शांतिनाथ की वृहद शांतिधारा, त्रय कल्याणक महोत्सव की पत्रिका का विमोचन

14 व 15 मई को मनाया जाएगा त्रय कल्याणक महोत्सव

साखना. शाबाश इंडिया। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र साखना में गुरुवार प्रातः भगवान शांतिनाथ की वृहद शांतिधारा एवं जलाभिषेक के साथ धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके पश्चात भगवान शांतिनाथ की पूजा-अर्चना कर 14 व 15 मई को आयोजित होने वाले त्रय कल्याणक महोत्सव की पत्रिका का विधिवत विमोचन किया गया। मीडिया प्रभारी राजेश अरिहंत ने बताया कि प्रातः क्षीर सागर से जल लाकर भगवान शांतिनाथ, पार्श्वनाथ, शीतलनाथ एवं चंद्रप्रभु की वृहद शांतिधारा एवं जलाभिषेक किया गया। तत्पश्चात सभी जिनबिंबों की पूजा-अर्चना कर अर्घ एवं श्रीफल समर्पित किए गए। इस अवसर पर महेंद्र संघी, नरेंद्र संघी, विमल कुमार, पारस कुमार, महेंद्र कुमार, प्रकाश सोनी, तेजमल, प्रकाश पाटनी, नरेंद्र जैन, रानी सोनी एवं सुनीता जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं की उपस्थिति में त्रय कल्याणक महोत्सव की पत्रिका का विमोचन किया गया। प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रकाश सोनी एवं मंत्री प्यारचंद जैन ने बताया कि दो दिवसीय त्रय कल्याणक महोत्सव के अंतर्गत 14 मई को सायंकाल 108 रजत दीपकों से भगवान शांतिनाथ की महाआरती की जाएगी। इसके पश्चात 48 दीप प्रज्वलित कर ऋद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ मंगल दीप अर्चना, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें संगीतकार दुर्गा भारती एंड पार्टी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। कोषाध्यक्ष मनीष बज ने बताया कि 15 मई को प्रातः अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात भगवान शांतिनाथ की पूजा होगी। इसके बाद निर्वाण कांड का वाचन करते हुए 21 किलो का निर्वाण लड्डू अर्पित किया जाएगा। दोपहर में विद्वान पंडित रोविल जैन शास्त्री के सानिध्य में शांति मंडल विधान का आयोजन होगा। इस अवसर पर अतिथियों के लिए वात्सल्य भोज की भी व्यवस्था रहेगी। निर्वाण लड्डू, विधान एवं वात्सल्य भोज के पुण्यार्जक महेंद्र कुमार, नरेंद्र कुमार, शैलेंद्र कुमार, सौरभ, श्रेयांश, जैनम सहित भव्य सर्वज्ञ परिवार निवाई रहेंगे। प्रबंध समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्मलाभ लेने का आग्रह किया है।

|| श्री सुपार्श्वनाथाय नमः ||
भव्य मन्दिर वेदी प्रतिष्ठा
जिनबिम्ब विराजमान, कलशारोहण
एवं विश्व शान्ति महानुष्ठान
शुक्रवार, 8 मई से रविवार, 10 मई 2026
श्री श्री 1008 श्री सुपार्श्वनाथ
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र
खराना
तह. जमवारामगढ़, जयपुर
प्रतिष्ठाचार्य
पं. श्री विमलकुमारजी जैन
वास्तुकार
आर्किटेक्ट
विशिष्ट अतिथि
वात्सल्य आमंत्रण
साधर्मी बन्धुवर !
साभिवादन जय जिनेन्द्र!
सातिशय पुण्य संयोग से अतीव प्राचीन जिनालय खराना की जर्जर अवस्था हो जाने के कारण इसी प्रांगण में भव्य जिन मन्दिर (शिखर बन्ध) तीन जिन वेदियों सहित नव निर्माण करवाया गया है। जिसकी विधि-विधान पूर्वक प्रतिष्ठा जिन बिम्ब विराजमान, कलशारोहण व विश्वशान्ति महानुष्ठान समारोह पूर्वक प्रतिष्ठाचार्य पं. श्री विमल कुमार जी जैन बनेठा, जयपुर प्रसिद्ध अनुभवी वास्तुकार श्री राजकुमार जी कोठारी व शिल्प विशेषज्ञ श्री महेन्द्र कुमार जी अनोपड़ा के निर्देशन व उपस्थिति में दिनांक 8 मई से 10 मई, 2026 को होने जा रहा है।
अतः आपसे अनुरोध है, सपरिवार इष्ट मित्रों सहित पधार कर पुण्यार्जन करें। आयोजन स्थल पर आवास भोजन की समुचित व्यवस्था उपलब्ध रहेगी।
मांगलिक कार्यक्रम
शुक्रवार, 8 मई 2026
प्रातः 7.15 बजे - जिनदर्शन-जिनदेव आज्ञा देवार्चन विधि, प्रतिष्ठाचार्य निमंत्रण, जाप्यानुष्ठानपूर्वक श्रीजी की शोभायात्रा।
प्रातः 8.15 बजे - ध्वजारोहण, मण्डप शुद्धि, सकलीकरण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्ज्वलन, मंगल कलश व जिनवाणी स्थापना सकलीकरण इन्द्र प्रतिष्ठापूर्वक सुपार्श्वनाथ विधान पूजन।
सायं 7.00 बजे - आरती, शास्त्र सभा-इन्द्र दरबार व सांस्कृतिक कार्यक्रम
शनिवार, 9 मई 2026
प्रातः 7.15 बजे - जिनाभिषेक-शांतिधारा, जाप्य
प्रातः 8.15 बजे - घट-यात्रा पूर्वक नव जिनालय, शिखर, वेदी, कलश, ध्वज दण्ड आदि शुद्धि संस्कार व वास्तु शांति पूजन।
दोपहर 1.00 बजे - यागमण्डल विधान पूजन
सायं 7.00 बजे - आरती, शास्त्र प्रवचन, स्वाध्याय, सुपार्श्वनाथ वैराग्य नाटिका
रविवार, 10 मई 2026
प्रातः 7.15 बजे - जिनाभिषेक-शांतिधारा, नित्य पूजन, विश्व शांति महानुष्ठान (हवन)
प्रातः 8.15 बजे - श्रीजी की शोभायात्रापूर्वक जिनबिम्ब विराजमान, कलशारोहण, अतिथि सम्मान वात्सल्य भोजन
शिखर निर्माण एवं शिखर कलश स्थापनकर्ता
सुपार्श्वनाथ भगवान मुख्य वेदी पुण्यार्जक
नेमिनाथ भगवान वेदी पुण्यार्जक
शांतिनाथ भगवान वेदी पुण्यार्जक
क्षेत्रपाल वेदी पुण्यार्जक
पद्मावती देवी वेदी पुण्यार्जक
ध्वजारोहणकर्ता
तोरण द्वार प्रदाता
सौधर्म इन्द्र
धनपति कुबेर
यज्ञनायक
ईशान इन्द्र
सानत कुमार इन्द्र
माहेन्द्र इन्द्र
ब्रह्म इन्द्र
लान्तव इन्द्र
कापिष्ठ इन्द्र
शुक्र इन्द्र
महाशुक्र इन्द्र
शतार इन्द्र
सहस्रार इन्द्र
आनत इन्द्र
प्राणत इन्द्र
अच्युत इन्द्र
आमंत्रित विशिष्ट अतिथि
आमंत्रित राजनेतागण
आमंत्रित ग्रामवासी
वात्सल्य सत्कार
बाहर से पधारे सभी अतिथियों के लिए भोजन की समुचित व्यवस्था है।
आयोजक : श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन खराना समिति, तह. जमवारामगढ़, जिला-जयपुर
अध्यक्ष कुन्दनमल जैन 9414052438
उपाध्यक्ष जितेन्द्र जैन 9829063439
कोषाध्यक्ष संजय जैन 9413238357
मंत्री राकेश जैन 9166889954
संयुक्त मंत्री रमेशचन्द जैन 9571461116
प्रचार-प्रसार मंत्री पुनीत जैन 9829064196
सम्पर्क सूत्र
भागचन्द जैन 9829745853
राकेश जैन 9166889954
कमलेश जैन 9828158196
कार्यकारिणी सदस्य : कमलेश जैन, राजकुमार जैन, गौरव जैन, नमेन्द्र जैन, ललित जैन, हिमांशु जैन, दीपांशु जैन, अक्षत जैन
Click here for Location
विनीत -
सकल दिगम्बर जैन समाज
एवं महिला मण्डल, खराना
JARI & Saree Store
कुन्दनमल जैन 94140-52438
पुनीत जैन 98290-64196
टी-7-8, तीसरी मंजिल, सिद्धी विनायक कॉम्पलेक्स, हल्दीयों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर-3

राजनीति

अशांति से शांति की ओर यात्रा ही है बुद्ध का मार्ग

योगेश कुमार गोयल

अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला जीवन-दर्शन ही बुद्ध पूर्णिमा का मूल संदेश है। प्रतिवर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पावन पर्व मानवता, करुणा और आत्मजागरण का प्रतीक है। इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा 1 मई को मनाई जा रही है। मान्यता है कि 563 ई.पू. वैशाख पूर्णिमा के दिन गौतम बुद्ध का जन्म लुम्बनी वन में शाल वृक्षों के बीच हुआ था। यही नहीं, इसी तिथि को उन्होंने बोध गया में बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया, जिससे यह दिन और भी पवित्र हो जाता है। गौतम बुद्ध का प्रारंभिक नाम सिद्धार्थ गौतम था। वे एक राजकुमार थे, जिनके जीवन में किसी प्रकार के सुख-साधनों की कमी नहीं थी। फिर भी उनका मन बचपन से ही वैराग्य की ओर झुकता था। वे अक्सर एकांत में बैठकर ध्यान करते थे। हालांकि विवाह और पुत्र जन्म के बाद भी उन्होंने कुछ समय तक सांसारिक जीवन जिया, लेकिन धीरे-धीरे उनका मन भौतिक सुखों से विरक्त होता गया। एक दिन सिद्धार्थ अपने सारथी के साथ नगर भ्रमण पर निकले। इस दौरान उन्होंने जीवन के चार महत्वपूर्ण सत्य देखे एक रोगी, एक वृद्ध, एक मृत व्यक्ति और एक शांत साधु। इन दृश्यों ने उनके मन को झकझोर दिया। उन्होंने समझा कि रोग, बुढ़ापा और मृत्यु मानव जीवन के अवश्यंभावी सत्य हैं। वहीं साधु का शांत और संतुलित जीवन उन्हें समाधान की ओर संकेत करता प्रतीत हुआ। इन अनुभवों ने सिद्धार्थ को गहन चिंतन के लिए प्रेरित किया। अंततः उन्होंने एक रात अपने महल, पत्नी यशोधरा और पुत्र राहुल को छोड़कर सन्यास का मार्ग अपना लिया। उन्होंने वर्षों तक कठोर तपस्या की, किंतु उन्हें अपेक्षित ज्ञान प्राप्त नहीं हुआ। तब उन्होंने मध्यम मार्ग अपनाने का निर्णय लिया न अत्यधिक तप, न अत्यधिक भोग। इसके बाद वे बोध गया में एक पीपल के वृक्ष के नीचे ध्यान में लीन हो गए। उन्होंने संकल्प लिया कि सत्य की प्राप्ति के बिना वे वहां से नहीं उठेंगे। सात सप्ताह के गहन ध्यान के पश्चात वैशाख पूर्णिमा के दिन उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई। इसी क्षण से वे 'बुद्ध' कहलाए जिस वृक्ष के नीचे उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ, वह 'बोधिवृक्ष' कहलाया और वह स्थान बौद्ध धर्म का प्रमुख तीर्थ बन गया।

संपादकीय

पांच राज्यों के चुनाव और एग्जिट पोल का गणित

पांच राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुदुचेरी के विधानसभा चुनावों में मतदान संपन्न होते ही एग्जिट पोल ने राजनीतिक हलकों में हलचल तेज कर दी है। 4 मई को आधिकारिक नतीजे घोषित होंगे, लेकिन विभिन्न एजेंसियों के ''पोल ऑफ पोल्स'' ने संभावित सरकारों की तस्वीर का संकेत दे दिया है। इन चुनावों में कुल 824 सीटों पर मतदान हुआ, जो 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला अहम पड़ाव माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल (294 सीटें) में सबसे दिलचस्प मुकाबला देखने को मिला। एग्जिट पोल के अनुसार ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को 147 से 152 सीटों के आसपास बढ़त मिल सकती है, जबकि भाजपा 137 से 140 सीटों तक पहुंचती दिख रही है। एक अनुमान के अनुसार टीएमसी को लगभग 45% वोट शेयर और भाजपा को 41-43% मिल सकता है। भाजपा ने इस बार बंगाल में पूरी ताकत झोंकी, लेकिन टीएमसी की मजबूत जमीनी पकड़ और ममता बनर्जी की लोकप्रियता अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। कांग्रेस और वाम दलों की मौजूदगी भी वोटों के बंटवारे में अहम भूमिका निभा सकती है। असम (126 सीटें) में सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की स्थिति मजबूत नजर आ रही है। एग्जिट पोल में भाजपा को लगभग 88 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि कांग्रेस करीब 27 सीटों तक सिमट सकती है। यहां विकास, नागरिकता से जुड़े मुद्दे और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे कारकों ने चुनावी रुझानों को प्रभावित किया है। केरल (140 सीटें) में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ के बीच कड़ा मुकाबला है। 'पोल ऑफ पोल्स' के मुताबिक यूडीएफ को करीब 77 सीटें और एलडीएफ को लगभग 59 सीटें मिलने का अनुमान है। पिनाराई विजयन की सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं पर जोर दिया, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोप और आर्थिक चुनौतियां विपक्ष के लिए अवसर बनकर उभरी हैं। केरल की राजनीति पारंपरिक रूप से अप्रत्याशित रही है, इसलिए अंतिम नतीजे चौंका सकते हैं। तमिलनाडु (234 सीटें) में एम. के. स्टालिन के नेतृत्व वाले डीएमके गठबंधन को लगभग 130 सीटों का अनुमान है, जबकि एआईएडीएमके गठबंधन करीब 65 सीटों तक सीमित रह सकता है। यहां क्षेत्रीय दलों की पकड़ अब भी मजबूत बनी हुई है और राष्ट्रीय दलों का प्रभाव अपेक्षाकृत सीमित दिखता है। पुदुचेरी (30 सीटें) में एनडीए को सरकार बनाने का अनुमान जताया गया है। छोटा क्षेत्र होने के बावजूद इसके नतीजे राष्ट्रीय राजनीति के संकेतक के रूप में देखे जाते हैं। हालांकि एग्जिट पोल लोकतंत्र का रोमांच बढ़ाते हैं, लेकिन इन्हें अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। 2004 और 2019 सहित कई चुनावों में एग्जिट पोल वास्तविक नतीजों से अलग साबित हुए हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

बढ़ता साइबर खतरा

कांतिलाल मांडोत

डिजिटल युग ने आमजन के जीवन को जितना आसान बनाया है, उतना ही एक गंभीर खतरा भी जन्म दिया है साइबर अपराध। ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल पेमेंट, ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग ने सुविधाएं तो बढ़ाई हैं, लेकिन ठगी और धोखाधड़ी के नए रास्ते भी खोल दिए हैं। राजस्थान सहित पूरे देश में साइबर अपराधों की तेजी से बढ़ती घटनाएं चिंता का विषय बन चुकी हैं। पिछले पांच वर्षों के आंकड़े इस खतरे की गंभीरता को स्पष्ट करते हैं। राजस्थान में साइबर क्राइम के मामलों में लगभग पांच गुना वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान कुल 4,49,182 शिकायतें सामने आईं, जो केवल आंकड़े नहीं बल्कि बढ़ते सामाजिक-आर्थिक संकट का संकेत हैं। इन मामलों में करीब 1800 करोड़ रुपए की ठगी हुई, जो आम नागरिकों की मेहनत की कमाई पर सीधा प्रहार है। शिकायतों के निपटान की स्थिति भी चुनौतीपूर्ण है। लगभग 2,25,387 शिकायतों का निपटान किया गया, जबकि 2,23,795 मामलों में कार्रवाई हुई है। इसके बावजूद 2,16,355 शिकायतें अभी भी प्रक्रिया में हैं और 4288 मामले लंबित हैं। यह स्पष्ट करता है कि मौजूदा व्यवस्था पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। वर्षवार आंकड़े स्थिति को और गंभीर बनाते हैं। 2021 और 2022 में जहां मामले अपेक्षाकृत कम थे, वहीं 2023 में यह संख्या बढ़कर 63,765 हो गई। 2024 में 94,409 और 2025 में 1,15,002 शिकायतें दर्ज हुईं। यह लगातार बढ़ता ग्राफ बताता है कि साइबर अपराधी अधिक संगठित और तकनीकी रूप से सक्षम होते जा रहे हैं। ठगी की रकम में भी तेजी से इजाफा हुआ है। 2022 में 158.67 करोड़ रुपए की ठगी हुई, जिसमें से केवल 11 करोड़ रुपए ही रिकवर हो पाए। 2023 में ठगी बढ़कर 354.55 करोड़ रुपए हो गई और रिकवरी 39.33 करोड़ तक पहुंची। 2024 में यह आंकड़ा 795.9 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जबकि रिकवरी केवल 104.5 करोड़ रही। हालांकि 2025 में 76.87 करोड़ रुपए की रिकवरी एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन यह अभी भी कुल ठगी के मुकाबले काफी कम है। इसी चुनौती को देखते हुए राजस्थान पुलिस ने 100 करोड़ रुपए का एक व्यापक साइबर सुरक्षा प्लान तैयार किया है। इस योजना के तहत एक अत्याधुनिक रीजनल साइबर क्राइम सेंटर स्थापित किया जाएगा, जहां प्रशिक्षित स्टाफ और आधुनिक तकनीक के माध्यम से अपराधों पर नियंत्रण की कोशिश होगी। इस सेंटर के लिए 52 पद स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें पुलिस उपाधीक्षक से लेकर कांस्टेबल तक शामिल हैं। साथ ही तकनीकी विशेषज्ञों की सेवाएं भी ली जाएंगी, जिन पर लगभग 30 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल ट्रैकिंग जैसे आधुनिक उपकरणों के माध्यम से अपराधियों तक पहुंचने की रणनीति बनाई जा रही है। पूरे प्लान में से लगभग 50 करोड़ रुपए संसाधनों और स्टाफ पर तथा करीब 60 करोड़ रुपए बुनियादी ढांचे के विकास पर खर्च किए जाएंगे। यह निवेश दर्शाता है कि अब साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या का एक प्रमुख कारण जागरूकता की कमी भी है। फर्जी कॉल, ओटीपी शेयरिंग, नकली कस्टमर केयर और सोशल मीडिया स्कैम जैसे मामलों में लोग आसानी से ठगी का शिकार हो जाते हैं। यदि नागरिक सतर्क रहें और बुनियादी सुरक्षा नियमों का पालन करें, तो इन अपराधों को काफी हद तक रोका जा सकता है। इसके साथ ही शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल जैसे प्लेटफॉर्म मददगार हैं, लेकिन जांच प्रक्रिया को और प्रभावी बनाना जरूरी है।

श्री पद्मप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर
प्लेटिनम ग्रीन्स, पार्श्वनाथ सिटी के पास, इस्कान टेम्पल रोड, मानसरोवर-एक्सटेंशन
श्री 1008 पद्मप्रभु जिनबिम्ब
पंचकल्याणक
प्रतिष्ठा महामहोत्सव
बुधवार, 6 मई से सोमवार, 11 मई 2026 तक
पावन सानिध्य
राजकीय अतिथि, परम प्रभावक दिव्य तपस्वी राष्ट्र संत, आचार्य श्री 108
सुन्दरसागर जी महाराज ससंघ
(35 पिच्छिका)
विशेष आकर्षण
जन्माभिषेक
विशाल शोभायात्रा
दिनांक 8 मई 2026
पद्मकुमार की बारात
दिनांक 9 मई 2026
आमंत्रण पत्रिका
दिनांक 8 मई 2026
प्रतिदिन
महाआरती
पावन सानिध्य
वात्सल्य मूर्ति, कविहृदय आचार्य 108
श्री शशांकसागर जी महाराज ससंघ
आर्यिका 105 श्री विजयमति माताजी
दिनांक 6 मई 2026
गर्भ कल्याणक पूर्वार्द्ध
दिनांक 7 मई 2026
गर्भ कल्याणक उत्तरार्द्ध
दिनांक 8 मई 2026
जन्म कल्याणक
दिनांक 9 मई 2026
तपकल्याणक
दिनांक 10 मई 2026
केवल ज्ञानकल्याणक
दिनांक 11 मई 2026
मोक्ष कल्याणक
दिनांक 5 मई 2026
दिनांक 12 मई 2026
अष्ट कुमारियां
मंदिर भूमि एवं निर्माण पुण्यार्जक परिवार
पूजन सामग्री पुण्यार्जक
सरदारमल खण्डाका परिवार
मूर्ति पुण्यार्जक
आमंत्रित राजनीतिक अतिथिगण
आमन्त्रित प्रशासनिक अधिकारीगण
आमंत्रित विशिष्ट अतिथिगण
वात्सल्य सत्कार
बाहर से पधारे अतिथियों के लिये आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था है।
आयोजक : श्री 1008 पद्मप्रभु पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति
प्लेटिनम ग्रीन्स, पार्श्वनाथ सिटी के पास, इस्कान टेम्पल रोड, मानसरोवर-एक्सटेंशन, जयपुर
सुभाष गुप्ता
अध्यक्ष
मो. 9829012539
विशाल जैन मुल्तान
मंत्री
मो. 9462000702
सुरेश कुमार सिंघल
कोषाध्यक्ष
मो. 8619672005
राहुल सिंघल
मुख्य संयोजक
मो. 9828637119
सौभाग्य कूपन
₹ 500/-
विशेष आकर्षण : ड्रा दिनांक 11 मई 2026
निवेदक -सकल जैन समाज एवं समस्त गुरु भक्त परिवार

रोमांचक फाइनल के साथ 'आदिनाथ क्रिकेट लीग 2026' का भव्य समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन युवा मंडल, मीरा मार्ग (मानसरोवर) द्वारा आयोजित 'आदिनाथ क्रिकेट लीग 2026' का समापन रविवार, 26 अप्रैल 2026 को उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। न्यू सांगानेर रोड स्थित श्री दादू दयाल स्पोर्ट्स एरेना में खेले गए फाइनल मुकाबले में चूलगिरि हाइट्स ने कुण्डलपुर किंग्स को 7 विकेट से हराकर खिताबी जीत दर्ज की।

प्रतिभा और खेल भावना का संगम

इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीमों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से चूलगिरि हाइट्स, चम्पापुर चैंपियंस, कुण्डलपुर किंग्स और गिरनार लायंस ने प्ले-ऑफ में जगह बनाई। राजस्थान हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री राजेश काला द्वारा प्रायोजित ट्रॉफीज और मेडल से उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। समारोह में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट, बेस्ट बैटर, बॉलर और फील्डर जैसे पुरस्कार वितरित किए गए।

खेल के साथ धर्म का संदेश

लीग का उद्देश्य केवल खेल तक सीमित नहीं रहा। मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री सुशील पहाड़िया के मार्गदर्शन में समाज के 120 युवाओं ने अनुशासन का परिचय दिया। इस अवसर पर 26 खिलाड़ियों ने नियमित देव-दर्शन, अभिषेक और स्वाध्याय करने का संकल्प भी लिया। युवा मंडल के अध्यक्ष पंकज काला ने सभी खिलाड़ियों, प्रायोजकों और मीरा मार्ग जैन समाज के वरिष्ठजनों का आभार व्यक्त किया। समापन समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्तियों और खिलाड़ियों के परिवारजनों ने शिरकत की। आयोजकों ने आगामी वर्षों में इस लीग को और भी वृहद स्तर पर आयोजित करने का विश्वास दिलाया।

''अभी नहीं, बाद में या कल करेंगे''—सफल व्यक्तियों के शब्दकोश में नहीं होते

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

परतापुर, बांसवाड़ा (राजस्थान)। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ इन दिनों परतापुर, बांसवाड़ा में विराजमान हैं। उनके पावन सान्निध्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला निरंतर सम्पन्न हो रही है। इसी क्रम में आचार्य श्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को अपने प्रवचन में संबोधित करते हुए कहा कि सफल व्यक्तियों की जीवन-डायरी में अभी नहीं, बाद में या कल करेंगे जैसे शब्दों का कोई स्थान नहीं होता। यही कारण है कि वे सफलता के शिखर की ऊँचाइयों तक पहुँचते हैं। उन्होंने कहा कि आज अधिकांश लोगों के पास बड़े-बड़े सपने तो हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने का उत्साह और संकल्प नहीं है। हम अक्सर कहते हैं – आज नहीं, कल करेंगे या बाद में करेंगे। जीवन बदलने की इच्छा तो होती है, लेकिन पहल करने की शक्ति का अभाव रहता है। चाहे परीक्षा की तैयारी हो या रिश्तों को सुधारना – हर काम को टालने की आदत बन गई है। आचार्य श्री ने प्रेरणादायक शब्दों में कहा– अरे मूर्खानन्द! शुभ, ऊर्जावान और सकारात्मक विचार किसी एक के अधिकार में नहीं हैं, ये तो परमात्मा का दिया हुआ उपहार हैं। तुम यह कहकर स्वयं को भ्रमित करते हो कि मेरा समय ठीक नहीं है। वास्तव में तुम्हारा समय कभी ठीक नहीं होगा, क्योंकि तुमने मान लिया है कि समय ठीक नहीं है।

पुण्यतिथि 1 मई

हार्दिक श्रद्धांजलि

1 मई 2020

1 मई 2002

स्व. श्री लल्लूलाल जी गोदिका

स्व. श्रीमती श्यामा देवी गोदिका

परिवार आपका मंदिर था, वात्सल्य आप की शक्ति।
क्षय रहा कर्तव्य आपका, निस्वार्थ आप की भक्ति।।
जीवन दर्शन आप पूज्य से, सीख अनुसरण करते।
भावविह्वल करबद्ध आपको, सादर नमन हैं करते।।

-: श्रद्धावनत :-
राजेश-अंजना, दिनेश-मीतू,
राकेश - समता (शाबाश इंडिया ई पेपर)
राज - एस . के. जैन

श्याम सहारा परिवार का मासिक संकीर्तन हर्षोल्लास के साथ संपन्न

लक्ष्मणगढ़ (सीकर). शाबाश इंडिया। मुकुंदगढ़ रोड स्थित प्राचीन श्याम हनुमान मंदिर द्वारा संचालित 'श्री श्याम सहारा परिवार' का मासिक संकीर्तन मुकुंदगढ़ रोड निवासी रामप्रसाद कुमावत के आवास पर भक्तिभाव से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा गणेश वंदना के साथ हुई।

भजनों पर झूमे श्रद्धालु

संकीर्तन में गायक सवाई सिंह चौहान, विनय तमोली, सुनील सोनी, मनीष सैन, नविका आचार्य, खुशी पुजारी और किंजल ने शानदार भजनों की प्रस्तुतियाँ दीं, जिससे श्याम प्रेमी झूमने पर मजबूर हो गए। सीकर की ऑर्केस्ट्रा पार्टी के विनोद (ऑर्गन), पवन (ढोलक) और प्रदीप (पेड) ने संगत की, जबकि 'घूमर साउंड' ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंच संचालन सुरेश बीबीपुरिया ने किया, जो वर्षों से बाबा श्याम की निस्वार्थ सेवा कर रहे हैं। विशेष बात यह रही कि उनके पुत्र विनीत बीबीपुरिया भी देर रात तक बाबा की सेवा में समर्पित रहे, जो आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। इस अवसर पर अंकुर गोयनका, रमेश कुमावत, मुकेश खीचड़, संजीव खाटूवाला और नथमल भंडारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और मातृशक्ति उपस्थित रहे। अंत में सभी ने बाबा की आरती कर प्रसाद ग्रहण किया।

ग्रीष्मकालीन शिविर में बच्चों को दी जा रही धर्म, संस्कृति व संस्कारों की शिक्षा

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, जवेरी बाग नसिया में श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस ग्रीष्मकालीन शिविर में बच्चों के साथ-साथ युवा वर्ग भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्म का ज्ञान प्राप्त कर रहा है। शिविर में विशेष रूप से पाठशाला के छोटे-छोटे बच्चों को धर्मज्ञान, संस्कृति एवं उत्तम संस्कारों की शिक्षा दी जा रही है। साथ ही मनोरंजन, खेलकूद एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का समग्र विकास किया जा रहा है और उनका मार्गदर्शन भी किया जा रहा है। इस शिविर में सांगानेर (राजस्थान) से पधारे संकेत शास्त्री एवं सक्षम शास्त्री द्वारा बच्चों को धर्म की प्रभावी शिक्षा प्रदान की जा रही है। साथ ही व्यक्तित्व विकास एवं भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी दर्शनी जैन, सारिका जैन एवं सपना जैन ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

कंधों पर सपनों का भार

सुबह की पहली किरण संग, कंधों पर सपनों का भार,
चल पड़ता वह चुपचाप, रचने दुनिया हर बार।
हाथों में मेहनत की रेखाएँ, पसीना उसकी पहचान,
ईंट-पत्थरों में बसती है, उसकी हर अधूरी-सी मुस्कान।

धूप में जलते उसके अरमान, छांव में भी नहीं आराम,
रोटी, कपड़ा और मकान – बस इतना-सा उसका धाम।
ऊँची-ऊँची इमारतें कहतीं उसकी खामोश कहानी,
हर एक मंजिल में गूंजती है, उसकी मेहनत की रवानी।

न कोई शोर, न कोई मांग, काम ही उसका गीत,
दर्द को साथी बना लिया, हौसलों से रचता नव संगीत।
आओ आज यह वादा करें – सम्मान मिले हर श्रमिक को,
न सिर्फ शब्दों से, दिल से कद्र करें उनकी मेहनत को।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

संस्मरण दिवस

हमारे पूज्यनीय एवं आदरणीय
स्वर्गीय श्री ताराचंद जी लुहाड़िया
की पुण्य स्मृति पर शत- शत नमन एवं वंदन
|| विनम्र श्रद्धांजलि ||
नमनकर्ता-
गुणमाला देवी छाबड़ा,
विनोद रवीना छाबड़ा
एवं समस्त छाबड़ा परिवार

एक बेटी की अद्भुत सफलता गाथा

दर्द को कमजोरी नहीं, प्रेरणा बनाया

पारस जैन 'पार्श्वमणि', पत्रकार, कोटा

तालेड़ा (राजस्थान)। कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो अंधेरे में भी अपने हौसलों की रोशनी जलाकर इतिहास रच देते हैं। ऐसी ही प्रेरणादायक कहानी है देव, शास्त्र और गुरु की भक्त, श्री महावीरजी खटोड़ (हिंडोली) एवं श्रीमती इंदिरा खटोड़ की संस्कारवान सुपुत्री श्रीमती शिल्पा जैन की, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने साहस, परिश्रम और दृढ़ संकल्प से सफलता की नई मिसाल कायम की। शादी के महज 6 महीने बाद ही पति का निधन – यह किसी भी महिला के जीवन का अत्यंत बड़ा आघात होता है। इतना ही नहीं, उसी हादसे में स्वयं का गंभीर रूप से घायल होना, शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर गहरा आघात देने वाला था। एक पल में सपने बिखर गए और जीवन मानो शून्य हो गया। जहां अधिकांश लोग ऐसी परिस्थितियों में टूट जाते हैं, वहीं इस जैन समाज की प्रतिभाशाली बेटी ने अपने आँसुओं को अपनी ताकत बना लिया। उन्होंने दर्द को कमजोरी नहीं, बल्कि प्रेरणा बनाया और स्वयं को संभालते हुए शिक्षा के माध्यम से जीवन को नई दिशा देने का संकल्प लिया। अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का मार्ग चुना। वर्ष 2024 में कोटा विश्वविद्यालय से एमबीए में शीर्ष स्थान प्राप्त कर उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि इरादे मजबूत हों तो सफलता निश्चित है। लेकिन यह तो केवल शुरूआत थी। इसी वर्ष अपने प्रथम प्रयास में ही उन्होंने राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त कर नई ऊंचाइयों को छू लिया। यह सफलता केवल एक परीक्षा उत्तीर्ण करने की कहानी नहीं है, बल्कि उस संघर्ष की विजय है, जिसमें हर दिन खुद को संभालना, हर रात दर्द को छिपाना और हर कदम आगे बढ़ना शामिल है। उनकी इस अभूतपूर्व सफलता पर मैं, पारस जैन ''पार्श्वमणि'', पत्रकार कोटा, भगवान महावीर स्वामी से प्रार्थना करता हूँ कि वे इसी प्रकार निरंतर सफलता की ओर अग्रसर रहें और समाज, देश एवं राष्ट्र की सेवा में सदैव अग्रणी भूमिका निभाएं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

बेगस के प्राचीन जैन मंदिर में 3 मई को 15वां वार्षिक मेला, "चांदवाड़ सभागार" का लोकार्पण

465 वर्ष पुराने शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में धार्मिक उल्लास, सौगाणी परिवार करेगा ध्वजारोहण

चेतन-रेखा छाबड़ा बनेंगे सौधर्म इन्द्र, अशोक-शकुंतला चांदवाड़ करेंगे सभागार का लोकार्पण

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी जयपुर से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित अति प्राचीन एवं मनोहारी श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, बेगस में 15वां वार्षिक मेला रविवार, 3 मई को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। मंदिर प्रबंध समिति ने मेले को भव्य बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। मेले के अवसर पर ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन, विधान मंडल पूजन सहित अनेक मांगलिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। साथ ही दिगम्बर जैन भामाशाह परिवार द्वारा निर्मित 'चांदवाड़ सभागार' (डोम) का लोकार्पण भी मुख्य आकर्षण रहेगा। चीफ कोऑर्डिनेटर जयकुमार जैन बड़जात्या (सीकर) ने बताया कि 3 मई को प्रातः 8:30 बजे सिनोदिया परिवार के श्रेष्ठी सुमनलता, प्रदीपझखुशबू, कृष्णा एवं निहाल सौगाणी परिवार द्वारा ध्वजारोहण कर मेले का शुभारंभ किया जाएगा। ध्वजारोहण के साथ ही मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण निर्मित होगा और जयकारों से पूरा परिसर गूंज उठेगा। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष पूनम चंद ठोलिया एवं मंत्री सुरेश छाबड़ा ने बताया कि दिगम्बर जैन भामाशाह अशोकझशकुंतला चांदवाड़ द्वारा अपने माता-पिता स्वर्गीय लल्लूलाल एवं छुट्टन देवी की पुण्य स्मृति में निर्मित भव्य पांडाल (डोम) का लोकार्पण किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गजेन्द्रझप्रवीणझ विकास बड़जात्या (कामां) सहित अन्य विशिष्टजन उपस्थित रहेंगे। यह सभागार भविष्य में धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। मेले की व्यवस्थाओं से जुड़े चंद्रप्रकाश बेगस्या, रमेश छाबड़ा, पारस अनोपड़ा, अशोक छाबड़ा, मंजू बड़जात्या, सुनील अजमेरा (सांगानेर), भागचंद जैन, राजेश काला, हर्षित बड़जात्या एवं प्रमोद छाबड़ा ने बताया कि इस बार विधानाचार्य पं. प्रद्युम्न शास्त्री के निर्देशन में विधान मंडल पूजन होगा। दीप प्रज्वलन का सौभाग्य नरेशझनीना कासलीवाल परिवार को प्राप्त होगा, वहीं सौधर्म इन्द्र बनने का पुण्य लाभ चेतन कुमारझरेखा छाबड़ा परिवार को मिलेगा।

465 वर्ष प्राचीन मंदिर, 2011 में हुआ जीर्णोद्धार

चीफ कोऑर्डिनेटर जयकुमार जैन ने बताया कि बेगस का यह जिन मंदिर 465 वर्ष से भी अधिक प्राचीन है। वर्ष 2005 में मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ हुआ, जो वर्ष 2011 में पूर्ण हुआ। इसके बाद मंदिर का भव्य और आकर्षक स्वरूप सामने आया। तभी से प्रतिवर्ष यहां वार्षिक मेला श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ आयोजित किया जा रहा है। साधु-संतों के प्रवास हेतु ''सागर भवन'' का निर्माण भी किया जा चुका है।

निशुल्क बस सेवा एवं व्यापक व्यवस्थाएं

अध्यक्ष पूनम चंद ठोलिया एवं मंत्री सुरेश छाबड़ा ने बताया कि मेले की सफलता के लिए समिति के सभी सदस्य दिन-रात तैयारियों में जुटे हैं। जयपुर सहित विभिन्न दिगम्बर जैन मंदिरों

से श्रद्धालुओं के आवागमन हेतु निशुल्क बस सेवा की व्यवस्था की गई है। इस आयोजन का आगामी दिनों में जिनवाणी चैनल पर प्रसारण भी किया जाएगा।

समिति की अपील: सपरिवार पधारें, धर्मलाभ लें

बेगस मंदिर प्रबंध समिति ने समस्त दिगम्बर जैन धमार्नुरागी बंधुओं, माताओं एवं बहनों से 3 मई को आयोजित इस 15वें वार्षिक मेले में सपरिवार पधारकर धर्मलाभ लेने की अपील की है। समिति का कहना है कि यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि सामाजिक समरसता और संस्कृति संरक्षण का संदेश भी देगा।

'कठिनाइयां इंसान को फौलाद बना देती हैं': गणिनी गुरुमां विज्ञाश्री माताजी

देवली. शाबाश इंडिया। श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा में भारत गौरव गणिनी गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ने जीवन में संघर्ष के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कठिनाइयों से जूझने वाला व्यक्ति जब प्रतिकूल परिस्थितियों से बाहर निकलता है, तो वह फौलाद की तरह मजबूत बन जाता है।

संघर्ष ही तपस्या का आधार

माताजी ने प्रवचन में कहा कि प्रतिकूलता हमें सिखाने और निखारने आती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि यदि श्रीराम 14 वर्ष के वनवास पर नहीं जाते, तो उनके शौर्य और पराक्रम से संसार परिचित नहीं होता। इसी तरह पांडवों ने वनवास की चुनौतियों को धैर्य से स्वीकार किया, जिससे वे और अधिक शक्तिशाली बनकर उभरे। उन्होंने जोर दिया कि पुरुषार्थ की चरम सीमा ही तपस्या है, जो विपरीत परिस्थितियों में ही संपन्न होती है। मंदिर अध्यक्ष संजय जैन और प्रतीक जैन सेठी ने बताया कि 2 मई 2026 को शाम 6:30 बजे से विशेष आयोजन होंगे। इसमें 35 बीजाक्षरों के साथ णमोकार दीप-अर्चना की जाएगी। साथ ही, गणाचार्य विराग सागर जी महाराज के 64वें अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में संगीतमय महाआरती का भव्य आयोजन होगा। प्रातः काल अभिषेक और शांतिधारा के साथ कार्यक्रमों की शुरूआत होगी।

काव्य सरिता में डूबे साहित्यकार

वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच पर भव्य काव्य गोष्ठी आयोजित

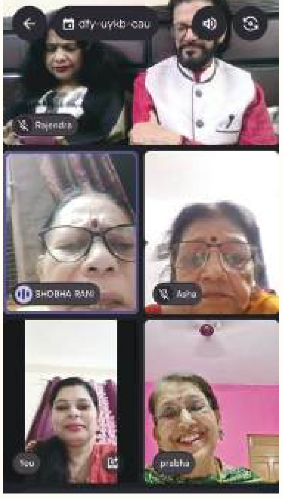

सुशी सक्सेना। गत रात्रि 9 बजे वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच पर गूगल मीट के माध्यम से भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में संस्थापक डॉ. नरेश नाज, मुख्य अतिथि राजेन्द्र निगम 'राज', वैश्विक अध्यक्ष इंदू निगम तथा विशिष्ट अतिथि आशा जाकड़ 'आस' (अध्यक्ष, मकाम मध्य प्रदेश) की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन गोष्ठी अध्यक्ष सुशी सक्सेना (मध्य प्रदेश-2 इकाई) द्वारा किया गया। गोष्ठी के शुभारंभ पर उन्होंने सभी नवागंतुक कवियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई। इसके पश्चात वरिष्ठ एवं युवा कवियों ने अपनी-अपनी रचनाओं का सुमधुर पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रस्तुत कविताओं ने भावनाओं का ऐसा वातावरण निर्मित किया, जिसने श्रोताओं के हृदय को गहराई से स्पर्श किया। वक्ताओं ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है और ऐसी काव्य गोष्ठियां न केवल भाषा को जीवंत बनाए रखती हैं, बल्कि समाज को नई दिशा भी प्रदान करती हैं। काव्य गोष्ठी साहित्य प्रेमियों के लिए एक उत्सव के समान होती है, जहां शब्दों का सौंदर्य और भावनाओं का प्रवाह एक साथ अनुभव किया जाता है। इन रचनाओं के माध्यम से प्रेम, संघर्ष, प्रकृति एवं समसामयिक विषयों को सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया। प्रतिभागी रचनाकारों में डॉ. शशि निगम (उपाध्यक्ष, मकाम इंदौर इकाई), डॉ. गायत्री शर्मा (अध्यक्ष, मकाम इंदौर इकाई), प्रभा तिवारी, श्रुति चौधरी, शोभा रानी तिवारी (सचिव), सीता सेन, लता सेन, संतोष तोषनीवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में गोष्ठी अध्यक्ष सुशी सक्सेना ने संस्थापक, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि सहित सभी साहित्यकारों एवं श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

नॉर्दर्न रीजन की बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा, इंडोर गेम्स पोस्टर का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्दर्न रीजन की बैठक नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी नसियां के बड़जात्या सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा के साथ मई माह में आयोजित होने वाले इंडोर गेम्स के पोस्टर का विमोचन किया गया। बैठक में चेयरमैन राजीव पाटनी ने आगामी वर्ष में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। विशेष रूप से मई माह की इंडोर खेल प्रतियोगिता, 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस तथा जुलाई माह में प्रस्तावित अंताक्षरी प्रतियोगिता सहित अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए सदस्यों से सुझाव भी आमंत्रित किए गए। इस अवसर पर इंडोर गेम्स के पोस्टर का विमोचन किया गया, जिसे उपस्थित सदस्यों ने सराहा। बैठक में इंटरनेशनल डायरेक्टर्स एवं नॉर्दर्न रीजन के पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए अपने विचार साझा किए। अंत में सचिव रविंद्र बिलाला ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

भोरड़ा में चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर पर भव्य ध्वजारोहण सम्पन्न

भोरड़ा (भाद्राजून). शाबाश इंडिया

श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर, भोरड़ा में वार्षिकोत्सव के अवसर पर मुख्य शिखर पर ध्वजारोहण श्रद्धा एवं उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। प्रातःकालीन कार्यक्रमों की शुरूआत स्नात्र पूजा, अढ़ारह अभिषेक एवं सत्तरभेदी पूजा से हुई। इसके पश्चात गाजे-बाजे के साथ भव्य ध्वजा यात्रा निकाली गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लाभार्थी सिंघवी परिवार के नेतृत्व में निकली इस यात्रा में साध्वी भगवंत की निश्रा में भक्तों ने भक्ति गीतों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मंदिर पहुंचने पर शुभ मुहूर्त में ध्वजारोहण किया गया, जिससे पूरा परिसर जयकारों से गूंज उठा। रात्रि में मंदिर को आकर्षक रोशनी से सजाया गया तथा भजन संध्या का आयोजन कर कार्यक्रम का समापन किया गया। संघ प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिकोत्सव का आयोजन परंपरानुसार भव्य एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

विद्या-विशुद्ध निलय भवन का शुभारंभ, स्वाध्याय पर मुनि श्री आदित्य सागर जी का विशेष संदेश

इंदौर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, अंजनी नगर के अंतर्गत विद्या-विशुद्ध निलय भवन का शुभारंभ समाज श्रेष्ठी जितेंद्र-अनीता पाटोदी परिवार द्वारा सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम अंजनी नगर स्थित श्री चंद्रप्रभु मांगलिक भवन में आयोजित ग्रीष्मकालीन वाचना के दौरान आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने अपने प्रवचन में स्वाध्याय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वाध्याय से धैर्य प्राप्त होता है, मन शांत रहता है और पुण्य की वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे अध्ययन करने से एकाग्रता बनी रहती है और मन भटकता नहीं है। स्वाध्याय व्यक्ति को आंतरिक रूप से सुरक्षित रखता है तथा जिनकी इसमें रुचि होती है, वे आगे चलकर दीक्षा मार्ग पर अग्रसर होते हैं। मुनि श्री ने कहा कि गुरु की संगति से जीवन के अनेक कार्य सरल हो जाते हैं और ''भगवान की संगत में रहोगे तभी भगवान बन पाओगे।'' दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के महामंत्री देवेंद्र सोगानी एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के पट्टाचार्य महोत्सव के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस भवन का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष विनय बाकलीवाल, आनंद गोधा एवं पूर्व अध्यक्ष कैलाश वेद उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाज श्रेष्ठी पिंकेश टोंग्या, डी.के. जैन, कमलेश कासलीवाल, सतीश जैन, महावीर जैन, शंभू सोगानी, महावीर काला, रमणीक जी, महेंद्र जैन सहित अनेक समाजबंधुओं ने मुनि संघ को श्रीफल अर्पित किए। भवन निर्माण में विशेष सहयोग देने वाले मुकेश-रेखा पाटनी, अपूर्व पंचोली एवं वत्सल काला का सम्मान संजय मोदी, नितिन पाटोदी, चिराग गोधा एवं दिलीप लुहाड़िया द्वारा किया गया। अंत में मंदिर के उपाध्यक्ष ऋषभ पाटनी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

खंडेलवाल वैश्य धाम जागरण रथ यात्रा का राजगढ़ में भव्य स्वागत

राजगढ़. शाबाश इंडिया

खंडेलवाल समाज राजगढ़ के तत्वावधान में खंडेला धाम से प्रारंभ हुई खंडेलवाल वैश्य धाम जागरण रथ यात्रा का राजगढ़ पहुंचने पर भव्य एवं हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें समाज की विभिन्न संस्थाओं एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। आगंतुक अतिथियों का समाजजनों द्वारा जगह-जगह पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम में खंडेला धाम के संस्थापक एवं आजीवन प्रबंध ट्रस्टी पुरुषोत्तम गुप्ता, अध्यक्ष आर.सी. गुप्ता (झालाणी) एवं महामंत्री रमेशचंद्र खंडेलवाल (जोधपुर) सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर समाजजनों ने सामाजिक एकता एवं समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। खंडेला धाम के पदाधिकारियों एवं आगंतुक सदस्यों ने रथ यात्रा के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और इसे समाज जागरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। इस अवसर पर राजगढ़ खंडेलवाल समाज के अध्यक्ष सुरेश रावत, कोषाध्यक्ष दीपक पबुवाल, महामंत्री मनीष (अधिवक्ता), सुरेश कायथवाल, भगवान सहाय, कमलेश मामोड़िया, गिरिराज बटवाड़ा, लोकेश रावत, आशा तांबी, कामिनी रावत, प्रेमलता मामोड़िया सहित अनेक समाजबंधुओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान समाजजनों ने अपनी-अपनी कुलदेवी एवं विभिन्न गोत्रों की देवियों की विधिवत पूजा-अर्चना कर महाआरती की। साथ ही खंडेलवाल समाज के संत शिरोमणि श्री 1008 संत सुंदरदास जी महाराज की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

सहजानंद वर्णी जन्मभूमि स्मारक का शिलान्यास सम्पन्न

ग्रामीणों ने की आचार्य श्री की भव्य अगवानी, कृतियों के संरक्षण पर दिया जोर

पृथ्वीपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के ससंघ मंगल सान्निध्य में ग्राम दुमदुमा, पृथ्वीपुर में सहजानंद वर्णी जन्मभूमि स्मारक का शिलान्यास कार्यक्रम भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। प्रातःकाल पृथ्वीपुर से दुमदुमा के लिए आचार्य श्री का मंगल गमन हुआ। दुमदुमा पहुंचने पर हजारों धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों ने कलश लेकर, घर-घर रंगोली सजाकर तथा पाद प्रक्षालन कर आचार्य श्री की भव्य अगवानी की। बताया गया कि सैकड़ों वर्षों बाद ग्राम में ऐसा भव्य आयोजन देखने को मिला। यह आयोजन देश के ख्याति प्राप्त विद्वान डॉ. श्रेयांस जैन (बड़ौत) के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत जन्मभूमि स्मारक शिलान्यास के साथ वर्णी बाल संस्कार केंद्र एवं वर्णी आरोग्य केंद्र का भी शुभारंभ किया गया। बच्चों को टी-शर्ट, कॉपी एवं मिष्ठान का वितरण किया गया। कार्यक्रम में वर्णी विकास सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत जैन (सीकर) एवं निर्देशक कडोरीलाल बंडा की टीम का विशेष योगदान रहा। प्रतिष्ठाचार्य कमल कुमार कमलांकुर (भोपाल) ने विधि-विधानपूर्वक कार्यक्रम सम्पन्न कराया। इस अवसर पर दिल्ली, अहमदाबाद, भोपाल, बड़ौत, राजस्थान, सागर सहित विभिन्न स्थानों से श्रद्धालु उपस्थित रहे। 'वर्णी संदेश' समाचार पत्र का विमोचन भी किया गया। दिगंबर जैन समाज दुमदुमा एवं पृथ्वीपुर द्वारा आगंतुक अतिथियों का स्वागत-सत्कार किया गया। प्रशासनिक सहयोग में डिप्टी कलेक्टर विनीता जैन का विशेष योगदान रहा। पीएससी में चयनित आईपीएस अभिजीत जैन का सम्मान भी किया गया। स्मारक निर्माण में सहयोग देने वाले परिवारों में श्री विमलचंद-सुमत कुमार परिवार (अहमदाबाद), जिनेंद्र कुमार-सेतुलाल जैन, प्रवीन कुमार जैन परिवार (अहमदाबाद, गुजरात), आरोग्यधाम पुण्यार्जक परिवार डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, आलोक जैन (बड़ौत), नरेंद्र कुमार दयाचंद्र जैन एवं संजीव कुमार-जयकुमार जैन (अहमदाबाद) शामिल रहे। अपने प्रवचन में आचार्य श्री ने कहा कि सहजानंद वर्णी की जन्मस्थली इसलिए महान है क्योंकि उन्होंने 500 से अधिक जैन ग्रंथों की रचना की है। आज भी इन ग्रंथों के माध्यम से देशभर में धर्म की प्रभावना निरंतर हो रही है। यदि समाज उनकी कृतियों का संरक्षण और संवर्धन करे, तो इससे बड़ा कोई कार्य नहीं हो सकता। कार्यक्रम में मुकेश जैन, पंकज जैन, नवीन जैन, देवेंद्र जैन सहित दुमदुमा एवं पृथ्वीपुर के समाजजनों और ग्रामीणों का विशेष योगदान रहा।

रिलायंस रीटेल ने किया प्रियंका चोपड़ा के ब्रांड एनोमली का अधिग्रहण

रिटेल नेटवर्क और 'टीरा' के जरिए होगा विस्तार

मुंबई. शाबाश इंडिया

रिलायंस रीटेल लिमिटेड ने प्रियंका चोपड़ा जोनस के हेयरकेयर ब्रांड एनोमली का अधिग्रहण कर लिया है। इस सौदे में ब्रांड के ट्रेडमार्क, ब्रांड से जुड़ी चीजें और डिजिटल प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इससे रिलायंस रीटेल लिमिटेड के ब्यूटी कारोबार को मजबूती मिलेगी। एनोमली की शुरूआत 2021 में हुई थी। यह एक साफ, वीगन और अच्छी क्वालिटी वाला हेयरकेयर ब्रांड है, जो किफायती दाम में मिलता है। यह पहले से ही कई बड़े देशों में बेचा जा रहा है। इस खरीद के बाद रिलायंस रीटेल लिमिटेड के पास इस ब्रांड का पूरा अधिकार होगा। अब कंपनी अपने बड़े रिटेल नेटवर्क और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, जैसे 'टीरा', के जरिए एनोमली को तेजी से आगे बढ़ाएगी। कंपनी का लक्ष्य ब्यूटी और पर्सनल केयर क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करना है। ईशा अंबानी, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, रिलायंस रीटेल वेंचर्स लिमिटेड ने इस सौदे पर कहा, 'एनोमाली को हमारे पोर्टफोलियो में शामिल करना नए जमाने के ब्यूटी ब्रांड्स के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनोमाली की मजबूत वैश्विक पहचान, क्लीन फॉर्मुलेशन और किफायती कीमत इसे बेहतरीन बनाते हैं। हमें विश्वास है कि प्रियंका के साथ मिलकर हम भारत में इस ब्रांड को तेजी से बढ़ा सकते हैं और साथ ही इसके अंतरराष्ट्रीय विस्तार को भी मजबूत कर सकते हैं।' रिलायंस रिटेल लिमिटेड अब भारत पर ज्यादा ध्यान देगा और एनोमली की पहुंच बढ़ाएगा। भारतीय बाल और सिर की त्वचा (स्कैल्प) के हिसाब से नए उत्पाद बनाए जाएंगे। साथ ही यह ब्रांड अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और मध्य पूर्व जैसे बाजारों में भी आगे बढ़ेगा। प्रियंका चोपड़ा जोनस ब्रांड में क्रिएटिव डायरेक्टर बनी रहेंगी और नए प्रोडक्ट व आइडिया पर काम करेंगी। उन्होंने कहा, ''यह एनोमाली के लिए एक अहम क्षण है। जो एक व्यक्तिगत यात्रा के रूप में शुरू हुआ था, वह अब एक उद्देश्यपूर्ण और वैश्विक महत्वाकांक्षा वाला ब्रांड बन चुका है, और रिलायंस रिटेल का यह अधिग्रहण एक नए और रोमांचक अध्याय की शुरूआत है। उनका व्यापक नेटवर्क और रिटेल अनुभव हमें भारत और दुनिया भर में अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचने में मदद करेगा। मैं खासतौर पर ईशा अंबानी के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में मैं ब्रांड के विकास में सक्रिय रूप से जुड़ी रहूंगी।'' रिलायंस रीटेल लिमिटेड नए और तेजी से बढ़ने वाले ब्यूटी ब्रांड्स पर ध्यान दे रही है। कंपनी अपने अनुभव, बड़े नेटवर्क और ऑनलाइन-ऑफलाइन दोनों तरीकों से एनोमली को भारत और दुनिया में आगे बढ़ाएगी।

“दुनिया को कुछ देने वालों का ही नाम रहता है”: मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

मुंगावली. शाबाश इंडिया

राष्ट्रसंत मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने सुधा सागर सभागार में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिंदगी को मात्र गुजारने की जरूरत नहीं है, बल्कि कुछ कर गुजरने की जरूरत है। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा कि दुनिया में उन्हीं का नाम अमर रहता है जो समाज और जगत को कुछ देते हैं। अपने व्यक्तित्व को सूर्य की तरह व्यापक बनाएं ताकि आपका जीवन हर किसी के काम आ सके।

अथाई खेड़ा में बनेगा भव्य मंदिर और संत निवास

मुनिश्री के सानिध्य में जिला मुख्यालय से 18 किमी दूर ग्राम अथाई खेड़ा में भव्य मंदिर निर्माण का संकल्प लिया गया। अशोकनगर जैन समाज के श्रावक श्रेष्ठी निर्मल कुमार अथाई खेड़ा एवं उनके परिवार ने इसके लिए भूमि दान और निर्माण का बीड़ा उठाया है। जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि यह स्थान साधु-संतों के आवागमन का प्रमुख केंद्र है, इसलिए यहाँ मंदिर के साथ-साथ धर्मशाला और आधुनिक संत निवास का निर्माण भी किया जाएगा।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम और जगत कल्याण का संदेश

मुनिश्री ने भगवान राम का उदाहरण देते हुए कहा कि वे जंगलों में भी दुखियों की आवाज सुन लेते थे। उन्होंने कहा कि असली 'जगतगुरु' वही है जो पूरे जगत की भलाई सोचे। पहले लोग अपने घर के आगे दूर तक झाड़ू इसलिए लगाते थे ताकि वहाँ से गुजरने वाले किसी भी राहगीर के पैर गंदे न हों या उसे कांटा न चुभे। हमें भी अपने मन को इतना व्यापक बनाना चाहिए कि हम केवल अपनों का ही नहीं, बल्कि दूसरों के दुख को भी समझ सकें। मुनिश्री ने जोर दिया कि वास्तविक जैनी वह है जो दूसरों

को प्रभावित करने का सामर्थ्य रखे। आपका आचरण और नियम ऐसा होना चाहिए जिसे देखकर दूसरे भी प्रेरणा लें। यदि आपके त्याग और सद्व्यवहार से आपके आसपास के लोगों का जीवन नहीं बदल रहा, तो आपकी साधना अधूरी है। उन्होंने पशु-पक्षियों के लिए भी अभिषेक शांतिधारा और करुणा भाव रखने का आह्वान किया। इस दौरान अशोकनगर और मुंगावली समाज के अनेक गणमान्य जन, महिला मंडल और युवा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

दिगम्बर जैन महासमिति द्वारा राजस्थानभर में लगेंगे ग्रीष्मकालीन धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर

17 मई से 26 मई 2026 तक 65-70 मंदिरों में होंगे आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

समन्वय, सद्भावना एवं संगठन के उद्देश्य से स्थापित 50 वर्ष पुरानी संस्था दिगम्बर जैन महासमिति (राजस्थान अंचल) द्वारा महिलांचल एवं समस्त संभागों के संयुक्त तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविरों का आयोजन 17 मई से 26 मई 2026 तक सम्पूर्ण राजस्थान में किया जाएगा। यह शिविर प्रदेश के लगभग 65-70 दिगम्बर जैन मंदिरों में उत्साह और भव्यता के साथ आयोजित होंगे। महासमिति के महामंत्री महावीर कुमार बाकलीवाल ने 29 अप्रैल को आयोजित समीक्षा बैठक में बताया कि पिछले 30 वर्षों से निरंतर संचालित ये शिविर दिगम्बर जैन समाज के विभिन्न पंथों, संतों एवं संस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित कर सामाजिक संगठन को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी कारण मंदिर प्रबंध समितियां उत्साहपूर्वक शिविर आयोजन के प्रस्ताव भेज रही हैं। राजस्थान

राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बड़जात्या एवं महामंत्री सुरेन्द्र कुमार पाण्डया ने शिविरों की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

महिलांचल अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका एवं महामंत्री सुनीता गंगवाल ने बताया कि महिलांचल, महिला संभाग एवं इकाइयां पूरी ऊर्जा के साथ शिविरों की तैयारियों में जुटी हैं। मुख्य संयोजक डॉ. बी.सी. जैन के अनुसार शिविरार्थियों को दी जाने वाली पाठ्य-पुस्तकें, कॉपियां, पेन एवं बैग निःशुल्क उपलब्ध कराने की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। शिविरों में संस्कार सरोवर (भाग 1 से 4), रत्नकरण्ड श्रावकाचार, तत्त्वार्थ सूत्र, छहढाला एवं भक्तामर स्तोत्र आदि का शिक्षण प्रशिक्षित स्थानीय अध्यापकों एवं विद्वान शास्त्रियों द्वारा कराया जाएगा। अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु शीघ्र ही ऑफलाइन एवं ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। संयोजक पंडित कैलाशचंद्र मलैया ने बताया कि प्रदेशभर के मंदिरों से सतत संपर्क कर शिविरों के लिए स्वीकृतियां प्राप्त की जा रही हैं। शिविर संयोजक एवं युवा वर्ष के मुख्य संयोजक डॉ. अरविंद कुमार जैन ने बताया कि इस वर्ष शिविरों का संचालन मुख्य रूप से महिला एवं युवा महासमिति के सहयोग से किया जाएगा, जिससे उनमें विशेष उत्साह देखा जा रहा है। अंचल कोषाध्यक्ष रमेशचंद सोगानी ने बताया कि शिविरों के पोस्टर का विमोचन आचार्य वर्धमान सागरजी महाराज के ससंघ सान्निध्य में किया जाएगा। शिविरों के सफल संचालन के लिए प्रदेशभर में जिला एवं तहसील स्तर पर संयोजकों की नियुक्ति की जा रही है। अंचल अध्यक्ष अनिल कुमार जैन (आईपीएस, सेवानिवृत्त) ने सभी दिगम्बर जैन मंदिरों के पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने मंदिरों में इन शिविरों का आयोजन सुनिश्चित करें, ताकि समाज के युवा, महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे संस्कारित हो सकें। राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बड़जात्या एवं महामंत्री सुरेन्द्र कुमार पाण्डया ने शिविरों की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा बस्सी में "प्लास्टिक मुक्त भारत" अभियान पोस्टर का लोकार्पण

बस्सी (बांसवाड़ा). शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा ग्राम बस्सी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ''प्लास्टिक मुक्त भारत'' अभियान के पोस्टर का लोकार्पण किया गया। यह कार्यक्रम श्रीमती गीता उपाध्याय (पत्नी श्री गणेश उपाध्याय) के सेवानिवृत्ति समारोह के अवसर पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी, स्काउट मास्टर अनिल भट्ट, ग्राम सरपंच रामलाल सिलाई, राष्ट्रीय शिक्षक संघ के मंत्री मणीलाल डामोर, ज्योतिषाचार्य नटवरलाल शुक्ला सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी अतिथियों के सान्निध्य में पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर शाखा द्वारा सेवानिवृत्त श्रीमती गीता उपाध्याय एवं अन्य अतिथियों का उपरणा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी ने ''मिशन ऑक्सीजन'' के तहत एकल-उपयोग प्लास्टिक से बचने, अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने एवं दैनिक जीवन में कपड़े की थैली अपनाने का आान किया। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ भी दिलाई। भीषण गर्मी को देखते हुए शाखा द्वारा पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने हेतु घरों की छतों एवं आसपास 'परिंडे' लगाने का भी आान किया गया। इस अवसर पर श्री गणेशलाल उपाध्याय द्वारा 101 परिंडे वितरण हेतु सहयोग राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में नटवरलाल शुक्ला, रोशन जी, रोनिका, भूपेश भट्ट, जगदीश परिवार (पिता श्री गौरीशंकर पंड्या), कमलेश जैन सहित अन्य समाजजन ने भी सहयोग प्रदान किया।

एक कटोरी पानी, हजारों दुआएं

रावतसर में इंसानियत की ठंडी छांव

रावतसर. शाबाश इंडिया। भीषण गर्मी के इस दौर में रावतसर से एक संवेदनशील और प्रेरणादायक पहल सामने आई है, जिसने इंसानियत की मिसाल पेश की है। तपती दोपहर, आग उगलता आसमान और लू के थपेड़ों के बीच जहां इंसान भी घरों में रहने को मजबूर हो जाता है, वहीं बेजुबान परिंदों के लिए यह समय जीवन-मरण का प्रश्न बन जाता है। सूखी चोंच, थके पंख और पानी की तलाश में भटकते पंछीः यह दृश्य किसी का भी दिल पिघला देता है। ऐसे समय में पानी की एक छोटी-सी बूंद भी उनके लिए जीवनदान बन जाती है। इसी संवेदना को साकार करते हुए रावतसर में महाराज सेवानाथ जी, भाजपा नेता मनोज सोनी, गायक कलाकार नतिन कबीर, कनवाणी, रतन राव, रमेश सहित कई समाजसेवियों ने मिलकर परिंदों में पानी भरने का अभियान शुरू किया। यह प्रयास भले ही छोटा लगे, लेकिन इसके पीछे छिपा संदेश अत्यंत बड़ा है – जहां भी परिंडे बंधे हों, उन्हें खाली मत रहने दें...आपकी एक छोटी कोशिश किसी की जिंदगी बचा सकती है। कल्पना कीजिए, एक प्यासा पक्षी घंटों तक तपती धूप में उड़ने के बाद जब किसी परिंडे में भरा ठंडा पानी देखता है, तो वह केवल पानी नहीं, बल्कि उसके लिए आशा, राहत और जीवन का स्रोत बन जाता है। यह पहल हमें याद दिलाती है कि इंसानियत बड़े मंचों या बड़े कार्यों में ही नहीं, बल्कि छोटे-छोटे प्रयासों में भी जीवित रहती है। एक कटोरी पानी या एक परिंडा किसी के लिए जीवनदान बन सकता है। इस अभियान को सोशल मीडिया पर भी व्यापक सराहना मिली, जहां सैकड़ों लोगों ने अपने घरों व आसपास परिंडे लगाकर तस्वीरें साझा कीं। यह एक सकारात्मक संदेश है कि यदि समाज मिलकर छोटे-छोटे कदम उठाए, तो बड़े बदलाव संभव हैं। आज आवश्यकता है कि हम सभी संकल्प लें – इस भीषण गर्मी में केवल अपने लिए ही नहीं, बल्कि उन बेजुबान परिंदों के लिए भी सोचें, जो बोल नहीं सकते, लेकिन हर पीड़ा को महसूस करते हैं।

मेवाड़ की धरा पर युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी का मंगल प्रवेश, श्रद्धा-भक्ति का उमड़ा जनसैलाब

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

राजस्थान की पुण्यभूमि मेवाड़ में श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी का गुरुवार को भव्य मंगल प्रवेश हुआ। उनके साथ उपप्रवर्तिनी दिव्यज्योति म.सा. (ठाणा-6) एवं महासती सुचेता म.सा. (ठाणा-3) का भी मंगल आगमन हुआ। मध्यप्रदेश सीमा से राजस्थान में प्रवेश करते ही निम्बाहेड़ा नगरी जयघोष, श्रद्धा और भक्तिभाव से गुंजायमान हो उठी। शांति भवन श्रीसंघ के मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि मंगल प्रवेश के अवसर पर मेवाड़ उपप्रवर्तक कोमल मुनि, मेवाड़ गौरव रविन्द्र मुनि एवं उपप्रवर्तिनी मंजूल ज्योति म.सा. की उपस्थिति में भव्य स्वागत समारोह आयोजित हुआ, जिसमें युवाचार्य का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर भीलवाड़ा शांति भवन चातुर्मास समिति संयोजक कंवरलाल सूरिया, संघ अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद चीपड़, सुशील चपलोत, नरेन्द्र भंडारी, मदनलाल चौरड़िया, शांति जैन महिला मंडल की अध्यक्षा सिम्मी पोखरना, मंत्री चंदा कोठारी, कमला चौधरी, प्रमिला सूरिया, मंजू खटवड़, राजस्थान जैन कॉन्फ्रेंस के प्रांत अध्यक्ष आनंद चपलोत, प्रांतीय महिला अध्यक्षा पुष्पा खोखावत, उदयपुर से कांतिलाल जैन तथा मुंबई से महेन्द्र पंगारिया, नेमीचंद धाकड़ सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। चित्तौड़गढ़, उदयपुर, नाथद्वारा, कांकरोली, फतहनगर तथा मुंबई सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने निम्बाहेड़ा वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के संरक्षक कमलेश ढेलावत, अध्यक्ष पारसमल बोहरा, युवक परिषद अध्यक्ष अपूर्व सिंघवी, कार्याध्यक्ष मनोज मेहता एवं भीलवाड़ा श्रीसंघ शांति भवन के पदाधिकारियों

के साथ मिलकर मंगल जयकारों के बीच युवाचार्य की अगवानी की।

एकता, श्रद्धा और संस्कारों का दिया संदेश

अपने प्रवचन में युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने कहा कि मेवाड़ की धरा भक्ति, शक्ति और समर्पण की पावन भूमि है, जहां सदैव धर्म की सुगंध बहती रही है। उन्होंने कहा कि पूर्वजों और महापुरुषों के उपकारों को कभी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रमण संघ में किसी प्रकार की कमी नहीं है, आवश्यकता केवल श्रद्धा को जीवंत रखने की है। प्रत्येक श्रावक-श्राविका का कर्तव्य है कि वह गुरु के प्रति निष्ठावान रहे। गुरु एक होते हैं, सेवाएं अनेक हो सकती हैं। युवाचार्यश्री ने समाज को एकता का संदेश देते हुए कहा कि धर्म की विरासत को सुरक्षित रखने के लिए संगठित रहना आवश्यक है। विभाजन, पदलिप्सा और अहंकार से संघ कमजोर होता है, जबकि विनम्रता, समर्पण और सहयोग से संघ सुदृढ़ बनता है। किसी को छोटा न समझें और सभी संतों एवं साधकों के प्रति आदरभाव रखें।

'खामोश बोलते' रंगों से सजा युवा कलाकारों का जीवंत संसार

सुखाड़िया विश्व विद्यालय के दृश्य कला विभाग में चार दिनी कला प्रदर्शनी में झलका उल्लास

उदयपुर. शाबाश इंडिया

सुखाड़िया विश्वविद्यालय की आर्ट गैलरी में कदम रखते ही ऐसा लगा जैसे किसी रंगों से भरे जीवंत संसार में प्रवेश कर लिया हो। दीवारों पर टंगी हर कृति अपनी अलग कहानी कह रही थी और गैलरी में मौजूद सन्नाटा भी जैसे इन कहानियों को सुनने में मग्न था। सोमवार शाम यहां शुरू हुई वार्षिक कला प्रदर्शनी महज एक आयोजन नहीं, बल्कि युवा कलाकारों की भावनाओं, संघर्ष और सपनों का सजीव दस्तावेज बनकर सामने आई। जैसे-जैसे आगे बढ़ते गए, रंगों और रेखाओं का संसार और गहराता गया। कहीं कैनवास पर उकेरी गई प्रकृति अपनी खोती सुंदरता का दर्द बयान कर रही थी, तो कहीं चारकोल स्केच मानव मन की उलझनों को बेहद संवेदनशील तरीके से सामने रख रहे थे। क्ले मॉडल्स और इंस्टॉलेशन आर्ट ने आधुनिक प्रयोगों की झलक दिखाई, जो यह साबित कर रहे थे कि नई पीढ़ी केवल परंपराओं तक सीमित नहीं, बल्कि नए आयाम गढ़ने में भी विश्वास रखती है। गैलरी में मौजूद हर कृति के सामने कुछ देर ठहरना पड़ता था, ऐसा लगता था मानो वे केवल देखने के लिए नहीं, महसूस करने के लिए बनी थीं। एक कोने में कुछ विद्यार्थी अपनी पेंटिंग्स के पास खड़े होकर दर्शकों की प्रतिक्रियाएं जानने को उत्सुक दिखे, तो दूसरी ओर कला प्रेमी हर रचना के साथ संवाद करते नजर आए। करीब 150 से अधिक कृतियों में समाज के अंतर्विरोध, प्रकृति के प्रति चिंता और भविष्य की उम्मीदें साफ झलक रही थीं। उद्घाटन करते मुख्य अतिथि डॉ. अश्विन एम. दलवी और वरिष्ठ कलाकार प्रो. सुरेश शर्मा सहित उपस्थित सभी कलाकारों ने स्टूडेंट्स का उत्साह यह कहते बढ़ाया कि कला को केवल दीवारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे समाज के हर वर्ग तक सहज रूप से पहुंचना चाहिए। प्रदर्शनी का अलग आकर्षक 'माय ड्रीम' पेंटिंग थीम रही, जहां बच्चों और युवाओं ने अपने सपनों की दुनिया को रंगों में ढालकर ऐसी कृतियों में बदल दिया जिनमें कहीं स्वच्छ और हरित भविष्य की झलक थी, तो कुछ में सामाजिक समानता का संदेश।

पुरस्कार पाकर हर्षित हुए युवा

इस प्रतियोगिता में भाविका बंसल प्रथम, आद्विक वशिष्ठ द्वितीय और माही गुप्ता तृतीय स्थान पर रहे। वहीं, वैष्णवी पालीवाल, दर्श जैन और भाविक जारोली को सांत्वना पुरस्कार देकर उनके प्रयासों को सराहा गया। प्रदर्शनी के दौरान विभागाध्यक्ष प्रो. मदन सिंह राठौड़ ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य उभरते कलाकारों को एक सशक्त मंच देना और आमजन को समकालीन कला से जोड़ना है। उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों की पूरे वर्ष की मेहनत का परिणाम है, जिसमें एक साधारण दर्शक भी कला के गहरे अर्थों को समझ सकता है। गैलरी से बाहर निकलते हुए ऐसा महसूस हुआ कि यह प्रदर्शनी केवल कला का प्रदर्शन नहीं, बल्कि सोचने और महसूस करने की एक नई दृष्टि देकर जाती है। ऐसा प्रतीत होता है मानो यहां हर रंग एक सवाल है और हर कृति एक उम्मीद। कुल मिलाकर, यह प्रदर्शनी सिर्फ एक कला आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों, उनकी सोच और बेहतर दुनिया की तलाश का सजीव दस्तावेज नजर आई।

रिपोर्ट/फोटो
राकेश शर्मा 'राजदीप'

जेएसजी नॉर्थ ग्रुप के तत्वावधान में "परिंडा लगाओ" अभियान, वर्धमान सरोवर जैन मंदिर में वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजी नॉर्थ ग्रुप के तत्वावधान में चल रहे ''परिंडा लगाओ'' अभियान के अंतर्गत मंगलवार प्रातः 8 बजे वर्धमान सरोवर जैन मंदिर परिसर में परिंडों का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम महावीर-प्रमिला सोगानी की वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया कि इस अवसर पर पदम-प्रीति जैन, अजय-स्नेहलता जैन, अंकुर-प्रज्ञा जैन, सुनील-बबीता सोगानी, प्रिंस-स्वाति सोगानी, मुनिया सोगानी सहित ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक पदम जैन ने जानकारी दी कि अभियान के तहत विभिन्न मंदिरों एवं पार्कों के आसपास भी परिंडे लगाने का कार्य किया जा रहा है, जिससे भीषण गर्मी में पक्षियों को पानी उपलब्ध हो सके।

सीकर बस डिपो में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए

सीकर. शाबाश इंडिया। राजस्थान पथ परिवहन निगम के बस डिपो, सीकर में गुरुवार को भीषण गर्मी को देखते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए। डिपो परिसर के विभिन्न छायादार वृक्षों पर परिंडे स्थापित कर पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था की गई। मुख्य प्रबंधक दीपक कुमावत ने बताया कि गर्मी के मौसम में जहां आमजन परेशान रहते हैं, वहीं पक्षियों के सामने भी पानी का गंभीर संकट उत्पन्न हो जाता है। हर वर्ष बड़ी संख्या में पक्षी पानी की कमी के कारण दम तोड़ देते हैं। ऐसे में यह छोटा सा प्रयास उनके जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे भी अपने स्तर पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करें, ताकि उन्हें भीषण गर्मी से राहत मिल सके। इस अवसर पर मुकेश कुमार जैन, आलोक काला, प्रियंक जैन, सुरेश कुमार (सीबीएस प्रभारी), राकेश स्वामी (संगणक), सुनीता रेवाड़, समाजसेवी शिक्षिका चित्रा बारठ, रामदेव सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। बस डिपो के कर्मचारियों ने इन परिंडों की नियमित सफाई एवं उनमें पानी भरने की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की है।

भारतीय जैन मिलन के गौरवशाली 60 वर्ष

विजय कुमार जैन, राघौगढ़ (मध्य प्रदेश)

जब हम किसी पवित्र उद्देश्य के साथ कोई शुभ कार्य करने का संकल्प लेते हैं, तो उस कार्य में सफलता अवश्य प्राप्त होती है। ऐसा ही एक प्रेरणादायक प्रयास आज से 60 वर्ष पूर्व, दिनांक 2 मई 1966 को देहरादून में जैन समाज के प्रबुद्ध जनों द्वारा भारतीय जैन मिलन संस्था की स्थापना के रूप में सामने आया। इस संस्था का मूल उद्देश्य जैन समाज में एकता स्थापित करना रहा है, क्योंकि जैन समाज दिगम्बर, श्वेताम्बर, तेरहपंथी, बीसपंथी, स्थानकवासी आदि अनेक परंपराओं में विभाजित रहा है। हम उस ऐतिहासिक दिवस 2 मई 1966 का स्मरण करते हैं, जब इलाहाबाद से लेकर देहरादून तक कार्यरत लगभग 15 शाखाओं को एक मंच पर लाकर भारतीय जैन मिलन का स्वरूप दिया गया। संस्था के प्रथम अध्यक्ष दीपचंद जैन (रायपुर), महामंत्री के.सी. जैन गर्ग (इलाहाबाद) एवं उपमंत्री गोपीचंद जैन (देहरादून) नियुक्त किए गए। यद्यपि जैन मिलन की पहली शाखा 1953 में इलाहाबाद में प्रारंभ हुई थी, परंतु इसे विधिवत राष्ट्रीय पहचान 2 मई 1966 को देहरादून में ही मिली। संस्था के गठन के बाद विस्तार की यात्रा तीव्र गति से आगे बढ़ी और 60 वर्षों की विकास यात्रा के पश्चात आज देशभर में लगभग 1450 शाखाएं सक्रिय हैं। सुव्यवस्थित संचालन हेतु इसे 19 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला जैन मिलन की लगभग 450 शाखाएं संचालित हैं, वहीं युवाओं को संस्कारित और नेतृत्वक्षम बनाने के लिए युवा जैन मिलन की लगभग 30 शाखाएं कार्यरत हैं। मिलन शब्द भी अपने आप में संदेश देता है – मिः मित्रता, लः लगन, नः नम्रता। वर्ष 1968 में गतिविधियों को व्यापक रूप से समाज तक पहुंचाने के उद्देश्य से भारतीय जैन मिलन समाचार पत्रिका का प्रकाशन देहरादून से प्रारंभ हुआ, जो आज मेरठ से डिजिटल स्वरूप में नियमित प्रकाशित हो रही है। वर्ष 1980 में संस्था का विस्तार दक्षिण भारत, विशेषकर कर्नाटक में हुआ, जहां आज सैकड़ों शाखाएं सक्रिय हैं। वर्ष 1985 में उत्तर भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेरठ के समीप सरधना में भारतीय जैन मिलन अस्पताल की स्थापना की गई, जो आज भी सफलतापूर्वक सेवाएं दे रहा है। 01 मार्च 1997 को भारतीय जैन मिलन फाउंडेशन का गठन किया गया, जिसके माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा सहायता एवं पारमार्थिक कार्य संचालित किए जाते हैं। फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल जैन 'बाले' (मेरठ) के अनुसार इसका कोष लगभग 1 करोड़ 10 लाख रुपये तक पहुंच चुका है। संस्था के 50 वर्ष पूर्ण होने पर 11 अक्टूबर 2015 को दिल्ली स्थित फिक्की ऑडिटोरियम में स्वर्ण जयंती समारोह एवं जैन एकता सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें जैन समाज की सभी परंपराओं के संतों का सान्निध्य प्राप्त हुआ। वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश जैन 'रितुराज' (मेरठ) के नेतृत्व में जैन एकता को सुदृढ़ करने हेतु मासिक मिलन कार्यक्रम का आयोजन देशभर में नियमित रूप से किया जा रहा है। इसमें विभिन्न मंदिरों एवं स्थानकों पर समाजजन एकत्रित होकर सामूहिक नवकार मंत्र का पाठ एवं विचार-विनिमय करते हैं। महावीर जन्मोत्सव के अवसर पर महामासिक मिलन का आयोजन भी विशेष रूप से किया जाता है। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान भी भारतीय जैन मिलन ने सराहनीय सेवा कार्य किए। 13 नवंबर 2020 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय भगवान महावीर वर्चुअल महारैली में देश-विदेश के लगभग 50 लाख लोगों ने सहभागिता की। संस्था के विकास में विभिन्न राष्ट्रीय अध्यक्षों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिनमें दीपचंद जैन (कानपुर), आदिश्वर प्रसाद जैन (दिल्ली), सुमेरचंद पाटनी (लखनऊ), जे.डी. जैन (गाजियाबाद), नरेशचंद जैन (मुजफ्फरनगर), सत्येन्द्र कुमार जैन (मेरठ), सुरेशचंद जैन (देहरादून), जयचंद जैन (मुजफ्फरनगर), विजय जैन (गुना) एवं वर्तमान अध्यक्ष सुरेश जैन 'रितुराज' (मेरठ) प्रमुख हैं। यह उल्लेखनीय है कि 31 जनवरी 2025 को सुरेश जैन 'रितुराज' तीसरी बार निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए। वर्ष 2026-27 को भारतीय जैन मिलन ने जैन सम्राट गौरव वर्ष के रूप में घोषित

फाउंडेशन के अध्यक्ष अनिल जैन 'बाले' (मेरठ) के अनुसार इसका कोष लगभग 1 करोड़ 10 लाख रुपये तक पहुंच चुका है।

किया है, जिसके अंतर्गत देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अंत में, जैन एकता का संदेश इन पंक्तियों में सार्थक होता है–

हम नहीं दिगम्बर, श्वेताम्बर, तेरहपंथी, स्थानकवासी,
हम एक देव के अनुयायी, एक देव के विश्वासी।
हम जैनी – हमारा धर्म जैन, बस इतना ही परिचय हो।

नोटः लेखक मध्यप्रदेश शासन से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक हैं।